साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार 2022 अर्पण समारोह

भाषाओं की दूरी समेट रही नई पीढ़ीः माधव कौशिक

नई दिल्ली, लोकसत्य

साहित्य अकादमी द्वारा आज 24 भारतीय भाषाओं के विशिष्ट युवा लेखकों को, त्रिवेणी कला संगम में साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार 2022 से पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक एवं मुख्य अतिथि प्रख्यात साहित्यकार ममता कालिया द्वारा प्रदान किए गए।

पुरस्कार विजेताओं को एक उत्कीर्ण ताम्र-फलक और प्रत्येक को रुपये 50,000/- की राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। कार्यक्रम का आरंभ गणेश वंदना से हुआ। सचिव के. श्रीनिवासराव ने उपाध्यक्ष एवं

मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि युवा हर समाज को स्पंदित रखते हैं और परिवर्तन का प्रतीक हैं, अतः भविष्य के वृक्ष के रूप में उनको प्रोत्साहित एवं सुरक्षा देना हम सभी का कर्त्तव्य है।

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि आज के पुरस्कृत युवा लेखक एक नए भारतीय परिवेश का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें भाषा की बाध्यता अब कोई महत्त्वपूर्ण बात नहीं रह गई है। नई पीढ़ी के पास अभिव्यक्ति के अनेक नए साधन हैं और वे अब कई विधाओं का अतिक्रमण कर अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कर रहे हैं। मुख्य अतिथि के रूप में अपने वक्तव्य में ममता कालिया ने कहा कि अब का युवा सच में युवा है और उसके पास विचारों से लेकर अन्य सभी जानकारियों की उपलब्धता है।

युवा पुरस्कार 2022 पुरस्कार से पुरस्कृत होने वाले लेखकों में प्रद्युम्न कुमार गोगोई (असमिया), सुमन पातारी (बाङ्ला), अलंबार मुसाहारि (बर'), आशु शर्मा (डोगरी), मिहिर वत्स (अंग्रेज़ी), भरत खेनी (गुजराती), भगवंत अनमोल (हिंदी), दादापीर जैमन (कन्नड), शाइस्ता ख़ान (कश्मीरी), मायरन जेसन बार्रेटो (कोंकणी), नवकृष्ण ऐहिक (मैथिली), अनघा जे. कोलथ (मल्याळम), सोनिया कुन्द्रा पम (मणिपुरी), पवन नालट (मराठी), रोशन राई 'चोट' (नेपाली), दिलीप बेहरा (ओडिआ), संधू गगन (गगनदीप सिंह) (पंजाबी), आशीष पुरोहित (राजस्थानी), श्रुति कानिटकर (संस्कृत), सालगे हांसदा (संताली), हिना आसवानी (सिंधी), पी. कालीमुथ्थु (तमिळ), पल्लिपट्टु नागाराजु (तेलुगु), मक़सूद आफ़ाक़ (उर्दू)।